हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

रेलवे में एकाउंटेंट की कमी : सिंह

कोलकाता ■ भारतीय रेल एक विशाल संस्थान है, लेकिन इस संस्थान में एकाउंटेंट की कमी है. इस वजह से यहां किसी चीज, वस्तु अथवा काम पर कितना खर्च होता है, इसका पता नहीं चलता है.

उक्त बातें सोमवार को इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड वर्कर्स एकाउंटेंट ऑफ इंडियां (आइसीडब्ल्यूएआइ) के अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहीं. वह आइसीडब्ल्यूएआइ की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. मालूम हो कि श्री सिंह को आइसीडब्ल्यूएआइ का अध्यक्ष चुना गया है. कार्यक्रम में श्री सिंह ने कहा कि रेलवे के लेखा-जोखा की देख-रेख के लिए आइसीडब्ल्यूएआइ को प्रस्ताव दिया गया है. उन्होंने रेलवे के विषय में बताया कि इस विभाग में कहां कितना खर्च करना है, यह किसी भी अधिकारी को पता नहीं है. किस मशीन पर कितना डेप्रीसिएसन लगाना है, इसकी जानकारी भी उन्हें नहीं है. इस वजह से रेलवे घाटे में चल रही है. विलंब से पहुंचे रेल मंत्री मुकुल राय ने भी इस कार्यक्रम को संबोधित किया. उन्होंने कॉस्ट एकाउंटेंट की सराहना करते हुए कहा कि

इनकी वजह से बड़े-बड़े कल-कारखानों का लेखा-जोखा रखना संभव होता है. आइसीडब्ल्यूएआइ इंस्टीट्यूट के उपाध्यक्ष एसी मोहानती ने भी मौके पर अपने विचार रखे.